

## विधानसभा मतदान व्यवहार में अन्य द्वितीयक समूहों की भूमिका

डॉ. आर.पी. सिंह चौहान<sup>1</sup> and शिव कुमार सिंह<sup>2</sup>

सहायक प्राध्यापक भूगोल<sup>1</sup>

शोध छात्र भूगोल<sup>2</sup>

संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

### शोध सारांश :

भारतीय प्रजातंत्रिय देश में सरकार का निर्माण संसदीय चुनाव प्रणाली के माध्यम से होता है। जो कि जनता के द्वारा चुने जाते हैं तथा बहुमत प्राप्त करके अपनी सरकार का गठन करते हैं। “राजनीतिक व्यवस्था समाज की एक महत्वपूर्ण उप-व्यवस्था है जो विशिष्ट रूप से लक्ष्य प्राप्ति का कार्य करती है, परन्तु साथ ही साथ यह किसी सामाजिक व्यवस्था द्वारा निर्धारित कार्यों को करने की क्षमता रखती है।”<sup>1</sup> इस प्रकार सम्पूर्ण सामाजिक व्यवस्था में राजनीतिक हित प्रमुख कारक के रूप में क्रियाशील रहता है। भारतीय समाज धर्म, जाति भाषा प्रजाति आदि दृष्टि से बहुलतावादी समाज है जो अपने अलग-अलग राजनीतिक हितों में बँधी हुई है। यद्यपि सम्वैधानिक दृष्टि से सम्पूर्ण भारत एकता और अखण्डता के आदर्श से अलंकृत है। परन्तु इसके वासियों के राजनीतिक हित, राजनीतिक चेतना एवं मतदान व्यवहार में बहुरंगी विविधता देखने को मिलती है। परन्तु राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अस्मिता के लिए सम्पूर्ण भारत एकता की कड़ी में बँधा हुआ है। भारत में 2004 के आम चुनावों में पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण के मतदाताओं की राजनीतिक प्रतिक्रिया में विरोधाभास देखने को मिलता है। इसी का विश्लेषण करने हेतु हमारा अध्ययन “मतदाताओं का मतदान व्यवहार” के माध्यम से यह प्रयास है कि उनको जनादेश और क्यों? दिया जाय।

**मुख्य शब्द:** विधानसभा, भौगोलिक, मतदान, व्यवहार, द्वितीयक, राजनीति आदि।

### सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:

1. श्रीनिवास, एम.एन., “ए कास्ट डिस्पूट अमन्ग वाशर मैन ऑफ मैसूर” इन ईस्टर्न ऐन्थ्रोपोलोजिस्ट, 1954
2. ‘दि डॉमिनेन्ट कास्ट न रामपुरा’ इन अमेरिकन ऐन्थ्रोपोलोजिस्ट, 1959, 61 (1); तथा “कास्ट इन मॉडर्न इण्डिया एण्ड अदर एसेज”, बम्बई : एशिया पाब्लिशिंग हाऊस, 1962,
3. पारसंस, तालकट, दी सोसल सिस्टम, 1970 पृ 5-61।
4. ईस्टन, डेविड “द कंरट मिनींग ऑफ विटे वियरीलिजम” इन जेम्स सी. चार्ल्स वर्थ (सपा.) कन्टेयरेरी पॉलिटिकल एनालिसिस, न्यूयार्क दी फ्री प्रेस, 1965, पृ 11-31।
5. अहमद, इम्तियाज, क्वॉटेड फ्रॉम गोविन्दराम वर्मा, “भारतीय राजनीति और शासन”, नई दिल्ली : 1978, पृष्ठ 487।
6. कुरुक्षेत्र पत्रिका के विभिन्न अंक।
7. योजना पत्रिका के विभिन्न अंक।